TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

12 जुलाई 2026
Teachers of Bihar
The Change Makers
आज का सुविचार
जिज्ञासा बनाए रखिए क्योंकि सीखना
कभी समाप्त नहीं होता।
सुंदर पिचाई
राकेश कुमार
www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **12.07.2026**

अमूर्त बुद्धि

अमूर्त बुद्धि (Abstract Intelligence) वह बुद्धि है जिसके द्वारा व्यक्ति अमूर्त (जो प्रत्यक्ष दिखाई न दें) विचारों, सिद्धांतों, प्रतीकों, संख्याओं और अवधारणाओं को समझता, उनका विश्लेषण करता तथा उनके आधार पर तर्क करता है। अमूर्त बुद्धि वह क्षमता है जिसके माध्यम से व्यक्ति बिना किसी ठोस वस्तु की सहायता के विचारों, सिद्धांतों और प्रतीकों को समझकर उचित निर्णय एवं तर्क कर सकता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

केतन अग्रवाल हत्याकांड के बाद राज्यसभा में पुरुष आयोग बिल को पेश किया गया है। **पुरुषों** के ऊपर हो रहे इस तरह के **अपराध** को देखते हुए इस बिल को भारत के **इतिहास** में पहली बार पेश किया गया है।

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

मधु प्रिया

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस

12 जुलाई

"बचपन है अनमोल, इसे मजदूरी में न खोने दें।"

बाल श्रम बच्चों के अधिकारों, शिक्षा और भबिष्य को छीन लेता है।
आइए, हम सभी मिलकर संकल्प लें कि हर बच्चे को मिले –

- शिक्षा का अधिकार
- सुरक्षित बचपन
- खुशहाल भविष्य

बाल श्रम क्या है?

18 वर्ष से कम आयु के बच्चों से आर्थिक लाभ के लिए, उनकी शिक्षा और विकास के समय में, खतरनाक या अनुचित कार्य कराना बाल श्रम है।

बाल श्रम के कारण

- गरीबी और श्रार्थिक मजवुरी
- अशिक्षा और जागरूकता की कमी
- परिवार की आय में सहयोग की आवश्क्कता
- सामाजिक कुरीटियों और भेदभाव
- सस्टे श्रमिकों की मांग

बाल अधिकार

- शिक्षा का अधिकार
- सुरक्षित वातोवरण
- पौष्टिक शोजन और स्वास्थ्य सुविथा
- खेलने और अपने बचपन को जीने का अवसर
- सम्मान और समानता का अधिकार

बाल श्रम से होने वाली हानियां

- शिक्षा बाधित होती है
- स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है
- शोषण और उत्पीड़न बढ़ता है
- भविष्य और आत्मविश्वास कत्मोर होता है
- समाज के विकास में बाधा आती है

बाल श्रम रोकने में हमारी भुमिकां

- बच्चों को काम पर रखने के बजाय शिक्षा के लिए प्रेरित करें।
- बाल श्रम की धटनाओं की जानकारी संवंधिव अधिकारिर्यों को दें।
- गरीब परिवारों को शिक्षा और सरकारी योजनाओं से जोड़ने में सहायता करें।
- बच्चों के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार व्यवहार अपनाऐं।

संकल्प

आइए, विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर हम सभी यह संकल्प लें कि किसी भी बच्चे का बचपन मजदूरी में नहीं बीटेगा। हर बच्चे के हाथ में किताब, कलम और सपने होंगे, न कि काम के औजार।

बच्चों के हाथों में किताबें हों, औज़ार नहीं।

बाल श्रम मुक्त समाज का निर्माण करें।

TOB खेल कॉर्नर

इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले यंगस्ट प्लेयर्स

उम्र	खिलाड़ी का नाम	Vs	जगह	साल
11 साल, 40 दिन	निया चार्लोट ग्रेग (जर्सी)	फ्रांस	नतोस	2019
14 साल, 16 दिन	मारियन गेरासिम (रोमानिया)	बुल्गारिया	लेफोंव काइंटी	2019
14 साल, 227 दिन	हसन रजा (पाकिस्तान)	जिम्बाब्वे	फैसलाबाद	1996
15 साल, 99 दिन	वैभव सूर्यवंशी (भारत)	इंग्लैंड	मैनचेस्टर	2026
15 साल, 116 दिन	मोहम्मद शरीफ (बांग्लादेश)	जिम्बाब्वे	हरारे	2001
15 साल, 124 दिन	मुश्ताक मोहम्मद (पाकिस्तान)	वेस्टइंडीज	लाहौर	1959
16 साल, 127 दिन	आकिब जावेद (पाकिस्तान)	वेस्टइंडीज	एडिलेड	1988
16 साल, 205 दिन	सचिन तेंदुलकर (भारत)	पाकिस्तान	कराची	1989

Teachers of Bihar

The change makers

जुलाई 12

12 जुलाई

का इतिहास, जन्म, निधन एवं महत्वपूर्ण अवसर

12 जुलाई की महत्वपूर्ण घटनाएँ

1994 फ़िलिस्तीनी मुक्ति संगठन के अध्यक्ष यासर अराफात 27 वर्षों का निर्वासित जीवन जीने के बाद गाजा पट्टी में आये।

1998 16वें विश्वकप फुटबाल के फ़ाइनल में फ्रांस ने ब्राजील को 3-0 से हराया।

2001 भारत और बांग्लादेश अगरतल्ला और ढाका के बीच 'मैत्री' बस सेवा प्रारम्भ।

2003 उत्तर और दक्षिफ कोरिया परमाणु हथियार मुद्दे पर बातचीत के लिए सहमत।

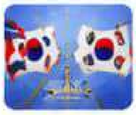

2005 मशहूर क्रिकेट अंमायर डेविड शेफ़र्ड ने सन्त्यास लिया।

2006 इसायल ने अपने दो सैमिकों के बंधक बनाये जाने के बाद लेबनान पर हमला किया।

"इतिहास हमें प्रेरणा देता है, महत्वपूर्ण घटनाऐं हमें दिशा देती हैं, जन्म और निधन हमें और मिलकर हमें जीवन का मूल्य समझाता हैं।"

12 जुलाई को जन्मे व्यक्ति

1982 अचंत शरत कमल - भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी।

1972 सुंदर पिचार्व - भारतीय मूल के अमेकीदी नागरिक, जो 'गुगल खोज' अनुभाग के सीईओ हैं।

1954 सुलक्षप्मा पंडित - भारतीय सिनेमा की खुबसूरत तथा प्रसिद्ध अभिनेडियों में से एक थीं।

1920 वाई. यी. चंद्रयूढ़ - भारत के भुतपूर्व 16वें मुख्य न्यायाधीश थे।

1916 लुडमिला पावलचिंनके - दूसरे विश्वयुद्ध की वीरांगना महिलाओं में से एक थीं।

1909 बिमल राय - हिन्दी फ़िल्मों के एक महानू फ़िल्म निर्देशक।

1895 दुर्गा प्रसाद खत्री - हिन्दी के प्रसिद्ध उपन्यास लेखकों में से एक।

[?] नीलम प्रभा - भारत की जानी-मानी लेखिका हैं।

12 जुलाई को हुए निधन

2014 हुल्लड़ मुरादाबादी - भारत के प्रसिद्ध व्यंग्य कवि थे।

2013 प्राण - हिन्दी फ़िल्मों के जाने माने नायक, खलनायक और चत्रि अभिनेता।

2012 दारा सिंह, विश्व प्रसिद्ध पहलवान और हिन्दी फ़िल्मों के अभिनेता।

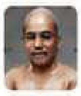

2005 पी. के. वासुदेवन नायर - भारतीय राजनीतिज्ञ थे, जिनका सम्बन्ध राजनीति दल 'भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी' से था।

2002 घनश्यामभाई ओझा - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ और गुजरात के भूतपूर्व मुख्यसंत्री थे।

1999 राजेंद्र कुमार - हिन्दी फ़िल्मों के प्रसिद्ध सदाबहार अभिनेता।

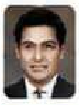

1982 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र - प्रख्यात साहित्यिक संस्था 'प्रसाद परिषद' के भूतपूर्व सभापति।

उन सभी महान हस्तियों को हमारा विनम्र नमन, जिन्हींने समाज, देश और दुमिया में अपना अमूल्य योगदान दिया।

Madhu Priya

“साहस वह नहीं जो जीवन को
खतरे से बचाए, बल्कि वह है
जो सही उद्देश्य के लिए
जीवन को समर्पित कर दे।”

12 जुलाई जयंती

दूसरे विश्वयुद्ध की वीरांगना महिलाओं में से एक

लुडमिला पावलीचेंको

(12 जुलाई, 1916 – 10 अक्टूबर, 1974)

उपलाध्धियों

- ★ दूसरे विश्वयुद्ध में सोवियत सेना की प्रसिद्ध स्नाइपर।
- ★ 309 शत्रु सैनिकों को मार गिराने का प्रम्पाणित रिकॉर्ड, जिनमें कई उच्च अधिकारी भी शानिल वे।
- ★ उनकी साहसिकता और नेतृत्व के लिए सोवियत संघ द्वारा 'हीरो ऑफ द सोवियत यूगियन' से सम्मानित।
- ★ युद्ध के दौरान घायल होंने के बाद भी उन्होंने साहस, सेवा और प्रेरणा का कार्य कभी नहीं छोड़ा।
- ★ युद्ध के बाद उन्होंने अमेरित्ता और अन्य देशों में शांति और महित्वाओं की भूमिका पर व्याख्यान दिए।

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

★★★ वे केवल एक सैनिक नहीं थीं, वे साहस, संकल्प और मातृभूमि के प्रति समर्पण की प्रतीक थीं। ★★★

जीवन परिचय

लुडमिला पावलीचेंक का जन्म 12 जुलाई, 1916 को ब्रिात त्सरक्व, रूस में हुआ था। वे इतिहास की सबसे सफल महिला स्नाइपर्स में से एक मानी जाती हैं। उनका जीवन साहस, देशभक्ति और नारी शक्ति की अमिट मिसाल है।

प्रेरणा

लुडमिला पावलीचेंक्रे का जीवन हमें सिखाता है कि दृढ़ निश्च्य, साहस और समर्पण से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उनका बलिदान आने वाली पींढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

Madhu Priya

www .teachersofbihar.org

“ शब्दों से रच दीं उन्होंने कल्पनाओं की दुनियाएं,
जिनसे प्रेरणा पाकर पीढ़ियों आज भी बढ़ती जाएं। ”

हिंदी के प्रख्यात उपन्यासकार

दुर्गाप्रसाद खत्री

की जयंती पर

शत्-शत् नमन

जन्म: 12 जुलाई, 1895
वाराणसी
मृत्यु: 5 अक्टूबर, 1974

दुर्गाप्रसाद खत्री हिंदी के लोलप्रिय और रोचक उपन्यासों के रचनाकार थे। ये प्रसिद्ध लेखक देवकीनंदन खत्री के ज्येष्ठ पुत्र थे। इनका जन्म 12 जुलाई, 1895 को वाराणसी (काशी) में हुआ। इन्होंने अपने साहित्य से हिंदी उपन्यास जगत को नई दिशा दी और पाठकों का मनोरंजन किया।

प्रमुख कृतियों

- फूलों का गुच्छा
- हृदय की प्यास
- आँधी
- लोहे की लाश
- प्रेम की वेदी
- और अनेक रोचक उपन्यास

हिंदी साहित्य में योगदान

- हिंदी के लोकप्रिय उपन्यास साहित्य को समृद्ध किया।
- रोमांचक, रहस्यमय और प्रेरणादायक कथाओं की रचना की।
- सरल और रोचक भाषा में साहित्य लिखकर जन-जन तक पहुंचे।
- इनकी कृतियों ने हिंदी पाठकों में पठन-पाठन के प्रति गहरी रुचि जगाई।

“ उनकी लेखनी ने कल्पना को जीवन दिया और साहित्य को अमर कर दिया। ”

www .teachersofbihar.org
Madhu Priya

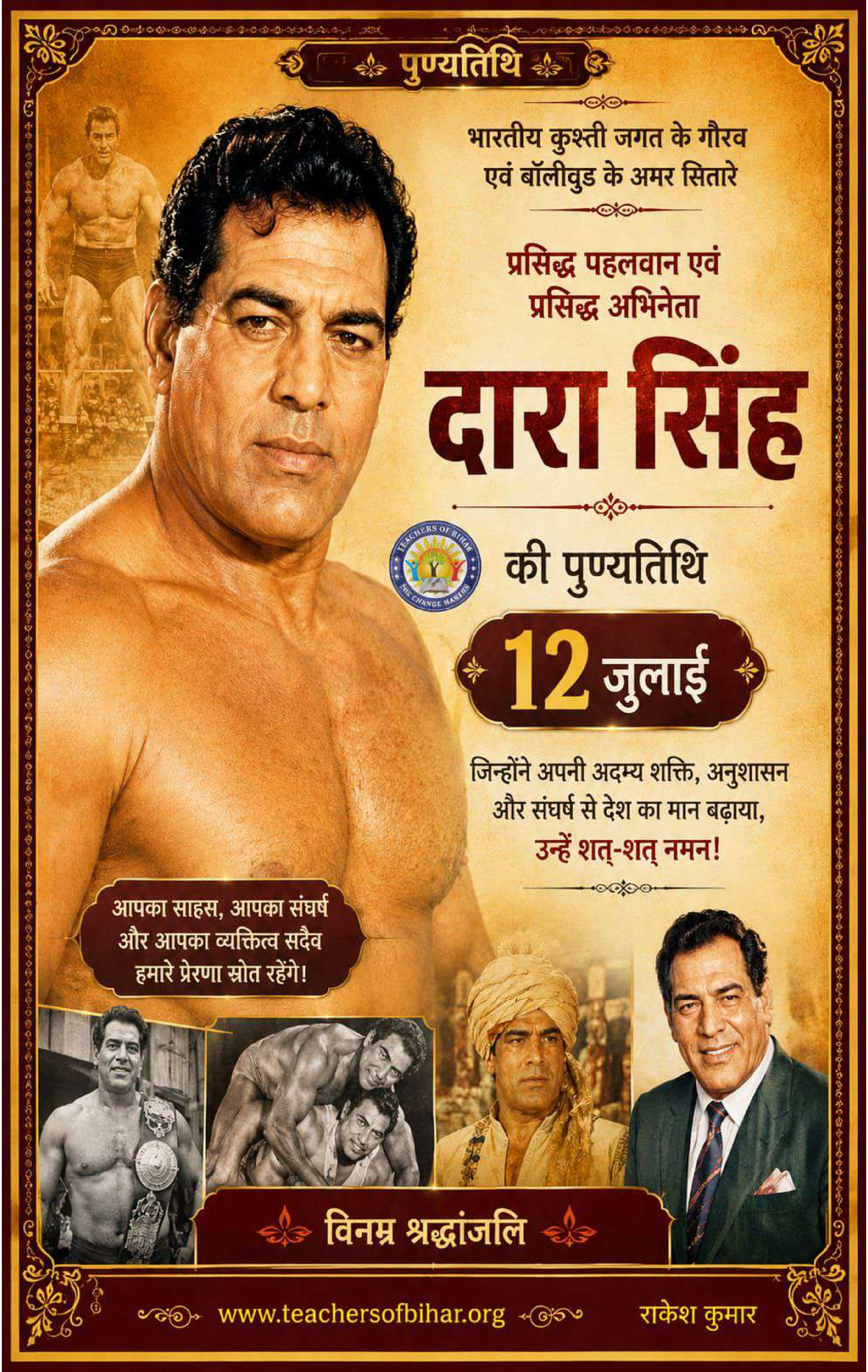
पुण्यतिथि
भारतीय कुश्ती जगत के गौरव
एवं बॉलीवुड के अमर सितारे
प्रसिद्ध पहलवान एवं
प्रसिद्ध अभिनेता
दारा सिंह
की पुण्यतिथि
12 जुलाई
जिन्होंने अपनी अदम्य शक्ति, अनुशासन
और संघर्ष से देश का मान बढ़ाया,
उन्हें शत्-शत् नमन!
आपका साहस, आपका संघर्ष
और आपका व्यक्तित्व सदैव
हमारे प्रेरणा स्रोत रहेंगे!
विनम्र श्रद्धांजलि
www.teachersofbihar.org
राकेश कुमार